



The Uttar Pradesh Bhandar Adhigrahan (Amendment) Adhiniyam, 1971

Act 22 of 1971

Keyword(s):
Acquisition,

DISCLAIMER: This document is being furnished to you for your information by PRS Legislative Research (PRS). The contents of this document have been obtained from sources PRS believes to be reliable. These contents have not been independently verified, and PRS makes no representation or warranty as to the accuracy, completeness or correctness. In some cases the Principal Act and/or Amendment Act may not be available. Principal Acts may or may not include subsequent amendments. For authoritative text, please contact the relevant state department concerned or refer to the latest government publication or the gazette notification. Any person using this material should take their own professional and legal advice before acting on any information contained in this document. PRS or any persons connected with it do not accept any liability arising from the use of this document. PRS or any persons connected with it shall not be in any way responsible for any loss, damage, or distress to any person on account of any action taken or not taken on the basis of this document.

उत्तर प्रदेश भाण्डार अधिग्रहण (जारी रखने का) अधिनियम, 1971

(उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 22, 1971)

(उत्तर प्रदेश विधान सभा ने 14 जुलाई, 1971 ई० तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद् ने दिनांक 16 जुलाई, 1971 ई० की बैठक में स्वीकृत किया।)

['भारत का संविधान' के अनुच्छेद 201 के अन्तर्गत राष्ट्रपति ने दिनांक 22 अगस्त, 1971 ई० की स्वीकृति प्रदान की तथा उत्तर प्रदेशीय सरकारी असाधारण गजट में दिनांक 22 अगस्त, 1971 ई० को प्रकाशित हुआ]

उत्तर प्रदेश भाण्डार अधिग्रहण अधिनियम, 1955 की पांच वर्ष की अपेतर अवधि के दौरान जारी रखने की व्यवस्था करने की लिये

अधिनियम

भारतीय गणराज्य के बाईसवें वर्ष में निम्नलिखित अधिनियम बनाया जाता है—

- | | |
|--|--|
| 1—(1) यह अधिनियम उत्तर प्रदेश भाण्डार अधिग्रहण (जारी रखने का) अधिनियम, 1971 कहलायेगा। | संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ |
| (2) यह 30 जून, 1971 से प्रवृत्त हुआ समझा जायगा। | |
| 2—उत्तर प्रदेश भाण्डार अधिग्रहण अधिनियम, 1955 की धारा 1 की उपधारा (4) में अंक तथा शब्द "30 जून, 1971" के स्थान पर अंक तथा शब्द "30 जून, 1976" रख दिये जायें। | उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 21, 1955 की धारा 1 का संशोधन |
| 3—उत्तर प्रदेश भाण्डार अधिग्रहण (जारी रखने का) अध्यादेश, 1971 एतद्द्वारा विरस्त किया जाता है। | उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या 12, 1971 का निरसन। |

(उद्देश्य और कारणों के विवरण के लिए कृपया दिनांक 16 जुलाई, 1971 ई० का सरकारी असाधारण गजट देखिये।)